अब उद्यमी भी लेंगे पॉलीटेक्निक के छात्रों की ऑनलाइन क्लास

प्राविधिक शिक्षा विभाग की नई पहल, तीन हजार से ज्यादा लेक्चर भी ऑनलाइन

लखनऊ। प्रदेश में आईटीआई के बाद अब पॉलीटेक्निक के छात्रों को भी बेहतर सुविधा व संसाधन देने की कवायद तेज हो गई है। इसके तहत नए सत्र 2025-26 में यहां के छात्रों को भी ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा मिलेगी। साथ ही उद्योगों के विशेषज्ञ व तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञ भी ऑनलाइन कक्षाओं में पढ़ाएंगे। इसके लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग भी जारी की जा रही है। इसी क्रम में प्राविधिक शिक्षा विभाग की ओर से छात्रों को ऑनलाइन पठन-पाठन के लिए भी व्यवस्था की जा रही है। स्मार्ट क्लास रूम के साथ-साथ इसके लिए अन्य संसाधन भी बढ़ाए जाएंगे। प्राविधिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण ने बताया कि यू-राइज पोर्टल पर तीन हजार से ज्यादा लेक्चर अपलोड किए गए हैं। इनका प्रयोग छात्र कहीं भी कभी भी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में यह प्रयास किया जा रहा है कि यहां के छात्रों के लिए विषय विशेषज्ञों के ऑनलाइन लेक्चर भी कराए जाएं। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद में लाइव लेक्चर करने की व्यवस्था की गई है। यहां से समय-समय पर उद्योगों व तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों के ऑनलाइन लेक्चर कराए जाएंगे।

इससे युवाओं को उद्योगों के बारे में बेहतर जानकारी मिलेगी। यह लेक्चर हर बृहस्पतिवार को कराने की योजना है। पहले चरण में इसमें राजकीय पॉलीटेक्निक के छात्रों को जोड़ेंगे। आगे चलकर इसमें निजी संस्थानों के छात्रों को भी शामिल किया जाएगा। ब्यूरो

विद्युत सखियों ने किया 2120 करोड़ का बिल कलेक्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चल रहे विद्युत सखी कार्यक्रम ने महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण विकास की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं (विद्युत सखियों) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 1045 करोड़ रुपये का विद्युत बिल कलेक्शन किया है। कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2020 में हुई थी और तब से अब तक विद्युत सखियों ने कुल 2120 करोड़ रुपये का बिल कलेक्शन किया है। इसके एवज में उन्हें 13.4 करोड़ रुपये कमीशन के रूप में प्राप्त हुए हैं। ब्यूरो